सुनले चौथ मात बरवाड़ा की भजन लिरिक्स

सुनले चौथ मात बरवाड़ा की,
नैया पार लगा दे,
मारा अटकया गाड़ा की।bd।

राज सवाई जयपुर माई,
माधोपुर सो नाम,
ज्याके बीच में बनयो गावड़ों,
बरवाडो चे धाम,
रेल जावे जग भाड़ा की,
नैया पार लगा दे,
मारा अटकया गाड़ा की,
सुणले चौथ मात बरवाड़ा की।bd।

जय जगदम्बे मात भवानी,
जय माता कंकाली,
ऊंचे पर्वत बैठी करती,
भगता की रखवाली,
करती दुसमन हलका जाड़ा की,
नैया पार लगा दे,
मारा अटकया गाड़ा की,
सुणले चौथ मात बरवाड़ा की।bd।

कर शारदा रूप भवानी,
सदा कंठ में रिज्यो,
जब भी सुमिरन करू आपने,
सबका मन हर लिज्यो,
आग्ल खोल दे गज रखवाडा की,
नैया पार लगा दे,
मारा अटकया गाड़ा की,
सुणले चौथ मात बरवाड़ा की।bd।

रिकू मीणा करनाहेडा को,
ताकि महिमा गावे ओ,
दे आशीष भवानी माने,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अब क्यों तरसावे,
विनती सुनले तू अभागा की,
नैया पार लगा दे,
मारा अटकया गाड़ा की,
सुणले चौथ मात बरवाड़ा की।bd।

सुनले चौथ मात बरवाड़ा की,
नैया पार लगा दे,
मारा अटकया गाड़ा की।bd।

प्रेषक – महावीर मीणा
9983873700

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com